

Newspaper Clips

September 8, 2012

Hindustan Patna 07-09-2012 P-6

...तो आईआईटी में एडमिशन के लिए बोर्ड बदलेंगे बच्चे !

एटना | प्रशांत कक्कड़

आईआईटी जैसे प्रीमियर संस्थान में एडमिशन के लिए छात्रों का राज्य बदलना पुरानी बात रही है। आमतौर पर कोचिंग संस्थान में दाखिले के लिए अपने राज्य को छोड़कर दूसरे राज्य में शिफ्ट करते रहे हैं। लेकिन बढ़ रहे कोचिंग संस्थान के धेरे पर अंकुश लगाने के लिए इस साल से पैटर्न बदला गया और बोर्ड के मानर्स को वोट ज देने की सहमति बनी। निर्णय हुआ कि हर बोर्ड के टॉप 20 प्रतिशत छात्रों और कुल 1.5 लाख छात्रों को आईआईटी के लिए होने वाली जेईई एडवांस में बैठने का मौका दिया जाएगा। विशेषज्ञों की मानें तो इस फैसले

नए पैटर्न का असर

- जेईई एडवांस में विभिन्न बोर्ड के टॉप 20 प्रतिशत बच्चों को ही बैठने का मिलेगा मौका
 - विभिन्न बोर्ड के टॉप-20 प्रतिशत के कटऑफ में है काफी फर्क
- से अब छात्र या छात्राएं बोर्ड बदलने के लिए एक जगह से दूसरी जगह जा सकते हैं। आईआईटी के लिए अवतक जो क्वालीफाईंग था वह सभी बोर्ड के लिए सिर्फ 60 प्रतिशत था। लेकिन आईआईटी 2013 में प्रवेश जेईई एडवांस के माध्यम से मिलेगा। इस परीक्षा में सभी बोर्ड के सिर्फ टॉप 20 प्रतिशत

को ही जगह मिलेगी। विभिन्न बोर्ड में इस साल आए रिजल्ट के आधार पर जो टॉप 20 का कटऑफ तैयार किया गया है इससे बड़ा फर्क दिख रहा है। झारखंड के बच्चे जहां 12वीं में सिर्फ 52 और प.बंगाल के 58 प्रतिशत अंक लाने के बाद ही जेईई एडवांस में बैठने के पात्र हो जाएंगे वहीं आंध्र प्रदेश बोर्ड के छात्रों को 87 प्रतिशत अंक लाना होगा। तमिलनाडु बोर्ड के छात्रों के लिए यह अंकड़ा 78.8 प्रतिशत और सीबीएसई के बच्चों के लिए 77.8 प्रतिशत है। बिहार बोर्ड के बच्चे 64.6 प्रतिशत अंक और यूपी बोर्ड के बच्चे सिर्फ 65 प्रतिशत अंक पर ही आईआईटी के लिए होने वाली परीक्षा में बैठने के हकदार हो जाएंगे। ये सभी डाटा

सामान्य कैटेगरी के छात्र-छात्राओं के लिए है। ये सभी अंकड़े विभिन्न बोर्ड की ओर से उपलब्ध कराए गए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि अब छात्र चुंकि नए फॉर्मेट से परिचित हो गए हैं, इसलिए अगले साल से विभिन्न बोर्ड के कटऑफ प्रतिशत में और बढ़ोतरी हो सकती है। विभिन्न बोर्ड के कटऑफ में इतना बड़ा फर्क छात्र-छात्राओं को बोर्ड बदलने के लिए प्रेरित कर सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो सीबीएसई, आईसीएसई, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु बोर्ड की तुलना में झारखंड, बिहार, यूपी, प.बंगाल सहित उत्तर-पूर्वी राज्यों से 12वीं बोर्ड की परीक्षा देना फायदेमंद होगा।

विभिन्न बोर्ड का टॉप-20 प्रतिशत

बोर्ड	प्रतिशत	बिहार	64.6
आंध्र प्रदेश	87.2	मध्य प्रदेश	64.0
तमिलनाडु	78.1	प. बंगाल	58.0
सीबीएसई	77.8	उत्तराखंड	55.2
कर्नाटक	67.5	छत्तीसगढ़	56.8
उत्तर प्रदेश	65.0	झारखंड	52.4

(2012 के रिजल्ट के अनुसार, सामान्य श्रेणी का कटऑफ)

आईआईटी के नए पैटर्न से बोर्ड परीक्षा का महत्व काफी बढ़ गया है। अब छात्र बोर्ड परीक्षा पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। टॉप 20 प्रतिशत का ब्रेकेट और फिर विभिन्न बोर्ड के कटऑफ में बड़ा फर्क दिख रहा है। आने वाले दिनों बोर्ड परीक्षा में अक्ल करने की प्रतिस्पर्धा और बढ़ेगी। बिहार के छात्रों के लिए सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड की अपेक्षा बिहार बोर्ड से परीक्षा देना ज्यादा बेहतर रहेगा रोहित श्रीवास्तव, निदेशक, ऑटिस्म

HT, Chandigarh

4 Indian-origin doctors among UK's 'top 50'

LONDON: Four Indian-origin doctors figure in the list of 50 most influential family physicians in Britain, according to an authoritative publication focussed on the medical profession. The fourth annual list of top 50 general practitioners published by Pulse magazine includes Kamlesh Khunti, Chaand Nagpaul, Kailash Chand and Krishna Kasaraneni.

The list was compiled by a panel of 50 leading doctors.

Leicester-based Khunti,

who gained medical qualifications from the University of Dundee in 1984, is a diabetes care expert. Nagpaul, who graduated from the University of London in 1985 is based in Harrow.

Chand graduated from Punjabi University, Patiala, in 1974, and is based in Lancashire, while Kasaraneni gained his medical degree from the University of Leicester in 2005. Khunti, 50, is also a professor at University of Leicester. **PTI**

HT, Lucknow

IIM-L to help quota students **CATch** their **dreams**

INCENTIVE External agency to groom candidates for CAT 2012. IIM-Lucknow will bear all expenses

HT Correspondent

■lkoreportersdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: Reserved category students chasing an IIM dream now have an incentive to dream big. To broaden the pool of applicants and enhance their competitive skills, the Indian Institute of Management-Lucknow has decided to help these students seek structured training for the Common Admission Test (CAT).

IIM-L felt that there was an urgent need to address the issue of improving representation and creating opportunities for socio-economically deprived students at IIMs. As per a roadmap, it was decided that in the pilot phase around 40-60 promising students (SC/ST category), who are amenable to management studies from colleges around Lucknow, would be selected.

The candidates would then be groomed and coached for two-three months by an external professional agency, which has expertise in training students for CAT-like exams. IIM-L would bear all the expenses as part of the Institute's Corporate Social Responsibility initiative.

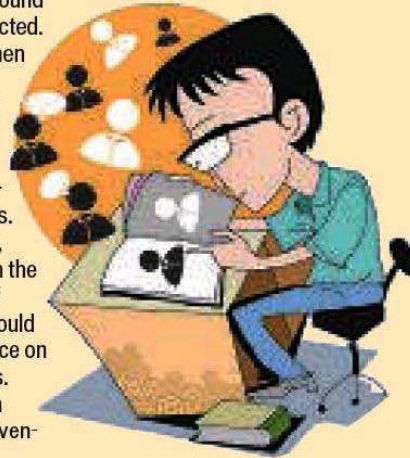
To be fair in the process, IIM-L will have no role in the selection and training of these candidates and would neither have any influence on any CAT-related process.

For CAT 2012, IIM-L has selected Team Satyam as its

INITIAL BATCH OF 40-60 STUDENTS

- Around 40-60 promising students (SC/ST category), who are amenable to management studies from colleges around Lucknow, would be selected.
- The candidates would then be coached for two-three months by an external professional agency, which has expertise in training students for CAT-like exams.
- To be fair in the process, IIM-L will have no role in the selection and training of these candidates and would neither have any influence on any CAT-related process.
- IIM-L has selected Team Satyam as its preferred ven-

dor to select and prepare a batch of 50 SC/ST candidates taking the test.



preferred vendor to select and prepare a batch of 50 SC/ST candidates taking the test and also groom these candidates for the next stage – the PG programme in management admission process.

Other than this exercise, Team Satyam is in no way associated with IIM-L with regard to CAT 2012. This special exercise for SC/ST candidates in no way ensures their admission to the PG programme in management of any IIM or to any other programme of any business school that accepts the CAT score.

Devi Singh, director, IIM

Lucknow said this exercise would help all the IIMs to get quality students from the socio-economically deprived categories. It would also be an incentive for brilliant students from these categories to dream big, focus their energies in a constructive manner for socio-economic uplift.

Initially, this project would be restricted to the Lucknow region (but the candidates can be from any where in India) for the purpose of easy monitoring and evaluation. Based on the results and feedback, the same could be extended to other cities across India next year.